हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(वसंत)(पाठ 4)(भगवतीचरण वर्मा – दीवानों की हस्ती)

(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

कविता से

प्रश्न 1:

कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है?

उत्तर 1:

कवि कहीं पर भी जाता है तो वहाँ की प्रकृति और वातावरण का आनंद लेता है। मगर जब वह वहाँ से वापस आता है तो वहाँ से अलग होने पर उसकी ऑखों में ऑसू आ जाते हैं। इसीलिए कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू कहा है।

प्रश्न 2:

भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटाने वाला कवि ऐसा क्यों कहता है कि वह अपने हृदय पर असफलता का एक निशान भार की तरह लेकर जा रहा है? क्या वह निराश है या प्रसन्न है?

उत्तर 2:

कवि ने अपने आप को भिखमंगों की दुनिया में बेरोक प्यार लुटाने वाला कवि इसलिए कहा है । क्योंकि उसने पूरी दुनिया को प्यार दिया मगर उसे बदले में कुछ नहीं मिला जिसके कारण वह दुखी है और कह रहा है कि यह दुनिया कितनी क्रूर है जो सिर्फ लेना जानती है देना नहीं । कवि इस स्थिति से निराश है।

प्रश्न 3:

कविता में ऐसी कौन–सी बात है जो आपको सबसे अच्छी लगी?

उत्तर 3:

कवि का अपने जीवन के प्रति द्रष्टिकोंण अच्छा लगा वह दुनिया के ऐसे रूप को देखकर भी उम्मीद की एक किरण को देख रहा है।